PART - B

Proposed Research Work

8. (i) Project Title : Narendra Mohan ke Natkon me Manviya Mulyon ka Chitran

''नरेंद्र मोहन के नाटको में मानवीय मूल्यों का चित्रण"

Introduction (प्रस्तावना) :

'काव्येंषु नाटकं रम्य' भरतमुनि की यह उक्ति नाटक की लोकप्रियता के लिए पर्याप्त है । हिंदी साहित्य में नाटक साहित्य की परंपरा काफी गौरवशाली रही है । भारतेन्दू से लेकर मोहन राकेश तक के कई नाटककारों नें अपने नाटकों में समाज में व्याप्त विसंगतियों को ऐतिहासिक, पौराणिक सन्दर्भों के जरिए अभिव्यक्त किया है । इसी परंपरा का निर्वाह करते हुए नरेंद्र मोहन ने अपने नाटको में समकालीन समस्याओं को अभिव्यक्त किया है । उन्होंने वर्तमान युग की मानसिक जटिलताओं और सभी प्रकार की संवेदनाओं को अभिव्यक्त किया है। सामाजिक के जीवन राजनीतिक, धार्मिक जीवन में टूटते जीवनमूल्यों और परिवर्तित होते मानवीय मूल्यों के संदर्भ में नरेंद्र मोहन के नाटकों में चेतना जागृत करने का प्रयास दिखाई देता है । उनके नाट्य साहित्य में चित्रित मानवीय मुल्यों को उजागर करना इस अनुसंधान का विषय है ।

Objective Of The Research (अनुसंधान का उद्देश) :

सभी साहित्यिक विधाओं मे नाटक की विशिष्टता अनन्यसाधारण है और नाटक रंगमंच के माध्यम से संप्रेषित होता है । इसलिए उसका जनमानस पर गहरा प्रभाव पडता है । नरेंद्र मोहन के नाटकों का विषय आम आदमी और उसके जीवन में व्याप्त विसंगतियाँ है । नरेंद्र मोहन ने अपने नाटकों के माध्यम से इन्सान को जीवन पथ से पथभ्रष्ट करानेवाली व्यवस्था और उसके दुष्चक्र और षडयंत्र से टूटते जीवनमूल्यों और नए समाज मान्यताओं के अनुरुप बदलते मानवीय मूल्यों और जीवनमूल्यों पर गहरी चिंता जताई है । वे समाज में तेजीसे नष्ट हो रहे मानवीय मूल्यों के प्रति आस्था और संवेदना जताते हूए दिखाई देते है । उनके नाटकों में व्याप्त मूल्य चेतना को समझना और उजागर करना इस अनुसंधान का उद्देश है ।

Signification Of Research (अनुसंधान का महत्त्व) :

वर्तमान युग के परिवेश में समाज और व्यवस्था के कुचक्रो और षडयंत्रो के कारण तेजी से नष्ट हो रहे मानवीय मूल्यों को बचाने का और इन्सानीयत को बढावा देने का प्रयास नरेंद्र मोहन के नाटकों में दृष्टिगत होता है । वे वर्तमान युग की समस्याओं को ऐतिहासिक संदर्भों में अभिव्यक्त करते हुए व्यवस्था के दुष्चक्रों को तोडने की चेतना जगाते है । उनके नाटकों में व्याप्त इन मानवीय मूल्यों को उजागर करते हुए पाठकों के मन में मानवीय संवेदना जागृत करने का प्रयास हुआ है । इस शोधकार्य के जरिए उनके नाटकों में निहित मूल्यबोध को चित्रित करने का प्रयास किया जायेगा ।

Research Methodology (अनुसंधान की पध्दतियाँ) :

अनुसंधान की वर्गीकरणात्मक, विश्लेषणात्मक, वर्णनात्मक, साक्षात्कार, आदि पध्दतियों के द्वारा नरेंद्र मोहन के नाटकों का आलोचनात्मक दृष्टि से अध्ययन किया जायेगा ।

Project Title (शोध कार्य का शिर्षक) :

''नरेंद्र मोहन के नाटको में मानवीय मूल्यों का चित्रण" प्रस्तुत शोध कार्य को अध्ययन के लिए पाँच अध्यायों में विभक्त किया जायेगा ।

१. नाटककार नरेंद्र मोहन व्यक्तित्व एवं कृतित्व ।
२. मानवीय मूल्य अवधारना एवं विकास ।
३. हिंदी नाटकों का सामान्य अध्ययन ।
४. नरेंद्र मोहन के नाटकों में मानवीय मूल्य ।
५. उपसंहार ।

संदर्भ ग्रंथ सूचि :

१. सींगधारी

२. नो मैस लैंड

३. कहे कबीर सुनो भाई साधो ।

४. कलंदर

५. अभंगगाथा

६. मि. जिन्ना

७. मंच अंधेरे में

८. हद हो गयी यारों

९. मलिक अंबर

१०. नाटकीय शब्द और नरेंद्र मोहन

११. नया परिदृश्य और नरेंद्र मोहन के नाटक

१२. नाटककार नरेंद्र मोहन